E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन

शोधार्थी
मनीषा चाहर

मार्गदर्शक
डॉ. कमलेश सिंह
प्राध्यापक (शिक्षाशास्त्र)
जैन कॉलेज, ग्वालियर

Paper Received date
05/10/2025
Paper date Publishing Date
10/10/2025
DOI
https://doi.org/10.5281/zenodo.18624264

IMPACT FACTOR
5.924

सारांश

प्रस्तुत शोध–पत्र में ग्वालियर नगर के **''वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन''** किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थिनी ने सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है, जिसमें शोधार्थी ने शोध के न्यादर्श का चयन सुविधाजनक यादृच्छिक विधि द्वारा किया। न्यादर्श के रूप में 20 विद्यालयों का चयन किया जिसमें 10 वित्त पोषित (शासकीय) विद्यालय एवं 10 गैर वित्त पोषित (अशासकीय) विद्यालय लिए गए। न्यादर्श में 100 शिक्षकों का चयन किया गया जिसमें से 50 शिक्षक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से एवं 50 शिक्षक अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से चयनित किए गए जो अपनी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते थे। अध्ययन के उद्देष्यों के अनुसार आँकड़ों के संकलन हेतु संज्योत पैठे, सुशमा चौधरी एवं उपेन्दर धर द्वारा निर्मित ''आर्गेनाइजेशनल क्लाइमेट स्केल (^{O}C)**'' का प्रयोग शोधार्थी ने किया है। आँकड़ों के विश्लेषण हेतु शोधार्थी ने मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण का प्रयोग किया। शोध विश्लेषण के बाद निष्कर्ष में पाया गया कि अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का संगठनात्मक वातावरण, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण से अच्छा है क्योंकि अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण की भूमिका की स्पष्टता, आदान–प्रदान एवं प्रक्रिया शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से अधिक अच्छी थी, जबकि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के सहयोगी व्यवहार में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

मुख्य शब्द : वित्तीय आधार, वर्गीकृत, संगठनात्मक वातावरण, उच्चतर विद्यालय, शिक्षक।

प्रस्तावना

विद्यालय के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विद्यालय प्राचार्य (प्रधानाचार्य), शिक्षक, कर्मचारी आदि सभी मिलकर एक सजीव वातावरण बनाते हैं, उसे विद्यालय का संगठनात्मक वातावरण कहते हैं, विस्वतृत रूप में कह सकते हैं कि विद्यालय प्राचार्य, शिक्षक, कर्मचारी आदि के पारस्परिक अन्तः सम्बंध, सामाजिक अन्तःक्रिया, सहयोग की भावना, सूचनाओं का आदान–प्रदान, कार्य की शुद्धता, आपसी व्यवहार, सामाजिक–संवेगात्मक वातावरण आदि का सम्मिलित रूप विद्यालय संगठनात्मक वातावरण कहलाता है।

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

विद्यालय संगठनात्मक वातावरण का प्रभाव शिक्षक के व्यवहार पर पड़ता है। विद्यालय का संगठनात्मक वातावरण शिक्षकों को सक्रिय व प्रभावशाली बनाता है। उचित संगठनात्मक वातावरण शिक्षक को अपनी प्रतिभा के उपयुक्त प्रदर्शन का अवसर भी प्रदान करता है। विद्यालय का उचित संगठनात्मक वातावरण शिक्षकों की आवष्यकताओं को सन्तुष्ट करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यालय का उचित संगठनात्मक वातावरण शिक्षकों में उच्च सद्भावना, उचित मनोबल एवं घनिष्टता को विकसित करने में भी सहायक होता है, साथ ही शिक्षकों की उदासीनता, बाधाओं एवं एकाकीपन को दूर करने का महत्त्वपूर्ण कार्य भी करता है।

शिक्षक की योग्यता में विषय ज्ञान एवं कार्य कुशलता के साथ–साथ उसके शिक्षण व्यवहार को भी सम्मिलित किया जाता है। यह सिद्ध हो चुका है कि शिक्षक जितना अधिक व्यवहारशील होगा तो उतनी ही उसकी योग्यता, कार्यकुशलता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में वृद्धि होगी। शिक्षक के व्यवहार पर विद्यालय के संगठनात्मक वातावरण का गहरा प्रभाव पड़ता है क्योंकि वह शिक्षकों के जीवन में सार्थक एवं महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। संगठनात्मक वातावरण द्वारा शिक्षक के सोचने, व्यवहार करने का तरीका एवं सामान्य स्वभाव परिलक्षित होता है। शिक्षक के व्यक्तित्व और उसकी विशेशताओं पर इसका प्रभाव पड़ता है, जैसे–अनुशासन, सहयोग, ईमानदारी, सहिष्णुता, मित्रता आदि। संगठनात्मक वातावरण से शिक्षकों में अनुभूति, नियम पालन एवं आचार संहिताओं के पालन का गुण विकसित होता है। शिक्षक उचित वातावरण में स्वयं अपना समायोजन करता है एवं विद्यालय घरेलू वातावरण में समायोजित होता है, उसमें आत्मविश्वास, आत्मसंतुष्टि एवं व्यवहारिकता आती है, सांवेगिक रूप से वह स्थिर होता है, वह जागृत, अनुशासित, आज्ञाकारी एवं सत्यभाषी होता है। वह अनेक चुनौतियों का आसानी से सामना करने में समर्थ होता है।

उत्तम विद्यालय संगठनात्मक वातावरण शिक्षक के शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक, संवेगात्मक एवं सामाजिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षक ज्ञान से साहसी, सदाचारी, सहिष्णु, धैर्यवान एवं कर्मठ बनता है। उत्तम विद्यालय संगठनात्मक वातावरण से शिक्षक का सर्वांगीण विकास होता है। शिक्षक प्रतिभाशाली, नैतिक, अनुशासित एवं ईमानदार बनता है अतः विद्यालय संगठनात्मक वातावरण को किसी भी विद्यालय के सफल संचालन के लिए महत्त्वपूर्ण माना जाता है।

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को देखते हुए शोधार्थिनी ने वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण के बीच अन्तर को देखने का प्रयास किया है।

समस्या कथन

"वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।"

यहाँ पर वित्तीय आधार पर वर्गीकृत से आशय मध्यप्रदेश सरकार द्वारा आर्थिक सहायता से है जिन विद्यालयों के शिक्षकों के वेतन एवं अन्य व्यय हेतु सरकार सम्पूर्ण आर्थिक सहयोग प्रदान करती है उन्हें वित्त पोषित या शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कहा गया है और जिन विद्यालयों को मध्यप्रदेश सरकार आर्थिक सहयोग प्रदान नहीं करती है एवं उन्हें नियमानुसार संचालन की अनुमति देती है जिसका सम्पूर्ण व्यय

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

निजी समिति या संगठन द्वारा किया जाता है उन्हें गैर वित्त पोषित या अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कहा गया है।

अध्ययन के उद्देश्य

- वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण का अध्ययन करना।
- वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की संगठनात्मक प्रक्रिया का अध्ययन करना।
- वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की संगठनात्मक प्रक्रिया का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक सहयोग का अध्ययन करना।
- वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक सहयोग का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

1. वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण में सार्थक अन्तर नहीं है।
2. वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की संगठनात्मक प्रक्रिया में सार्थक अन्तर नहीं है।
3. वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक सहयोग में सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध में प्रयुक्त विधि

प्रस्तुत शोध पत्र में शोधार्थिनी ने सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

शोध न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में शोधार्थिनी ने ग्वालियर नगर के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 100 शिक्षकों का चयन सुविधाजनक या दृच्छिक प्रतिदर्श चयन विधि द्वारा किया।

न्यादर्श

विद्यालय का प्रकार	विद्यालयों की संख्या	पुरूश शिक्षक	महिला शिक्षक	कुल शिक्षक
शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय	10	25	25	50
अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय	10	25	25	50

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

योग	20	50	50	100

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रदत्त संकलन हेतु शोधार्थिनी ने संज्योत पैठे, सुषमा चौधरी एवं उपेन्दर धर द्वारा निर्मित ''आर्गेनाइजेशन क्लाइमेट स्केल (^{0}C)** का प्रयोग किया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

प्रस्तुत शोध का सीमांकन

- प्रस्तुत शोध ग्वालियर नगर तक ही सीमित है।
- प्रस्तुत शोध अध्ययन में ग्वालियर नगर के मध्यप्रदेश बोर्ड, भोपाल से मान्यता प्राप्त 10 शासकीय एवं 10 अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को सम्मिलित किया गया है।
- प्रस्तुत शोध कार्य में शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा–6वीं से कक्षा–12वीं तक अध्यापन कार्य करने वाले 100 शिक्षकों को सम्मिलित किया गया है।

परिकल्पनाओं का परीक्षण

Ho_1 : वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण में सार्थक अन्तर नहीं है।

सारणी क्रमांक–1

वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान, मानक विचलन एवं 't' का मान

समूह	शिक्षकों की सख्या (छ)	मध्यमान (ड)	मानक विचलन (ै)	t मान	निष्कर्ष
शासकीय उ.मा. विद्यालय	50	36.38	22.28	7.018	सार्थक H_{01} अस्वीकृत
अशासकीय उ.मा. विद्यालय	50	41.76	18.88		

स्वातंत्रय (d.f.) = $(N_1-1) + (N_2-1)$ = (50-1) + (50-1) = 49 + 49 = 98

0.05 स्तर पर ज का अपेक्षित मान = 1.98, 0.01 स्तर पर t का अपेक्षित मान = 2.63

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

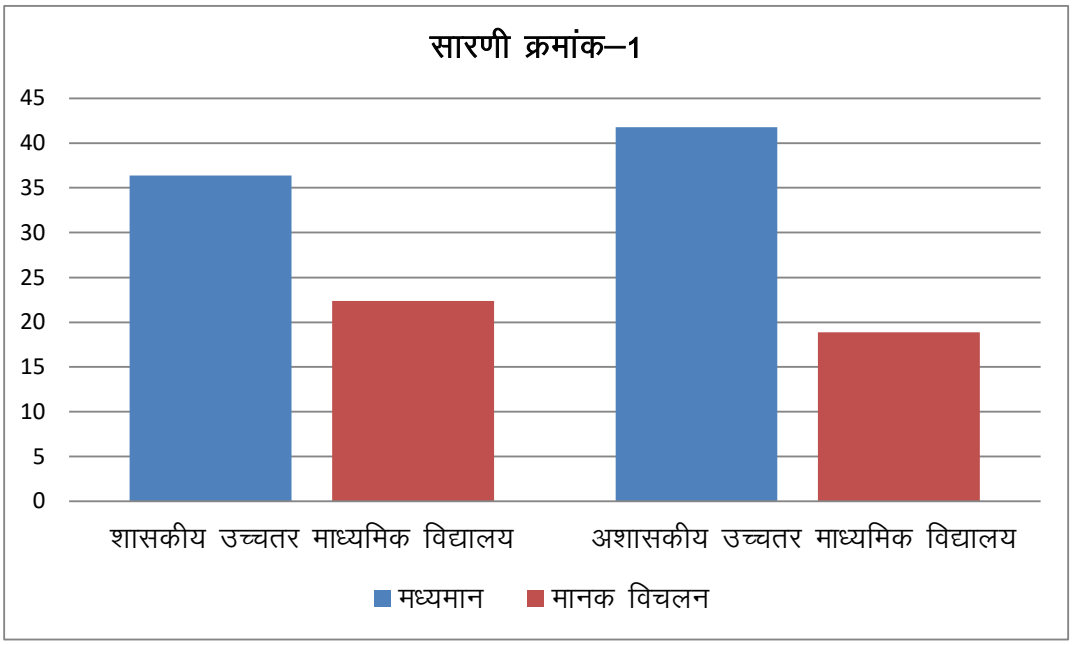

व्याख्या एवं विश्लेषण

उपर्युक्त सारणी के अवलोकन से स्पष्ट है कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण का मध्यमान 36.38 एवं मानक विचलन 22.28 है तथा अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण का मध्यमान 41.76 एवं मानक विचलन 18.88 है। चूँकि अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण का मान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण से अधिक है अतः अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का संगठनात्मक वातावरण शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण से अच्छा है।

मध्यमानों की सार्थकता के लिये t–परीक्षण किया गया। सारणी में 98 स्वातंत्रय (d.f.) पर सार्थकता के लिए 't' का मान 0.05 विश्वास स्तर पर 1.98 एवं 0.01 विश्वास स्तर पर 2.63 है जबकि गणना से प्राप्त 't' का मान 7.018 है जो कि दोनों स्तरों पर विश्वास मानों से अधिक है। अतः दोनों स्तरों पर मध्यमानों का अन्तर सार्थक है। चूँकि 't' का गणना से प्राप्त मान तालिका मान से कम होने पर शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है एवं अधिक होने पर अस्वीकृत होती है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है अर्थात् वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण में सार्थक अन्तर है।

Ho_2 : वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की संगठनात्मक प्रक्रिया में सार्थक अंतर नहीं है।

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

सारणी क्रमांक–2

वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की संगठनात्मक प्रक्रिया के प्राप्तांकों का मध्यमान, मानक विचलन एवं 't' का मान

समूह	शिक्षकों की सख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (D)	t मान	निष्कर्ष
शासकीय उ.मा. विद्यालय	50	79.04	22.02	6.58	सार्थक H_{02} अस्वीकृत
अशासकीय उ.मा. विद्यालय	50	98.68	19.56		

स्वातंत्रय (d.f.) = $(N_1-1) + (N_2-1)$ = (50-1) + (50-1) = 49 + 49 = 98

0.05 स्तर पर t का अपेक्षित मान

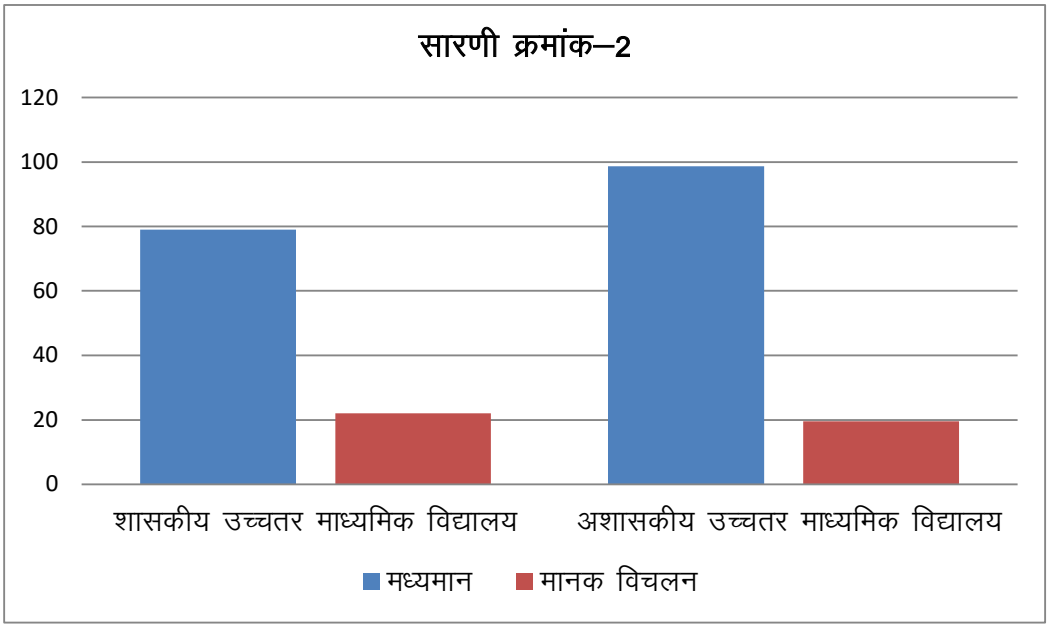

= 1.98, 0.01 स्तर पर t का अपेक्षित मान = 2.63

व्याख्या एवं विश्लेषण

उपर्युक्त सारणी के अवलोकन से ज्ञात है कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक प्रक्रिया का मध्यमान 79.04 एवं मानक विचलन 22.02 है तथा अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक प्रक्रिया का मध्यमान 98.68 एवं मानक विचलन 19.56 है। चूँकि अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक प्रक्रिया का मध्यमान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक प्रक्रिया से अधिक है अतः अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की संगठनात्मक प्रक्रिया शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की संगठनात्मक प्रक्रिया से अच्छी है।

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

मध्यमानों की सार्थकता के लिये t–परीक्षण किया गया। सारणी में 98 स्वातंत्रय (d.f.) पर सार्थकता के लिए 't' का मान 0.05 विश्वास स्तर पर 1.98 एवं 0.01 विश्वास स्तर पर 2.63 है जबकि गणना से प्राप्त 't' का मान 6.58 है जो कि दोनों विश्वास स्तरों पर मानक मानों से अधिक है। अतः दोनों स्तरों पर मध्यमानों का अन्तर सार्थक है। चूँकि 't' का गणना मान तालिका मान से कम होने पर शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है एवं अधिक होने पर अस्वीकृत होती है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है अर्थात् वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की संगठनात्मक प्रक्रिया में सार्थक अन्तर है।

Ho_3 : वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक सहयोग में सार्थक अंतर नहीं है।

सारणी क्रमांक–3

वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक सहयोग के प्राप्तांकों का मध्यमान, मानक विचलन एवं 't' का मान

समूह	शिक्षकों की सख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	t मान	निष्कर्ष
शासकीय उ.मा. विद्यालय	50	74.60	11.18	0.59	असार्थक H_{03} स्वीकृत
अशासकीय उ.मा. विद्यालय	50	76.00	12.21		

स्वातंत्रय (d.f.) = $(N_1-1) + (N_2-1)$ = (50-1) + (50-1) = 49 + 49 = 98

0.05 स्तर पर t का अपेक्षित मान = 1.98, 0.01 स्तर पर t का अपेक्षित मान = 2.63

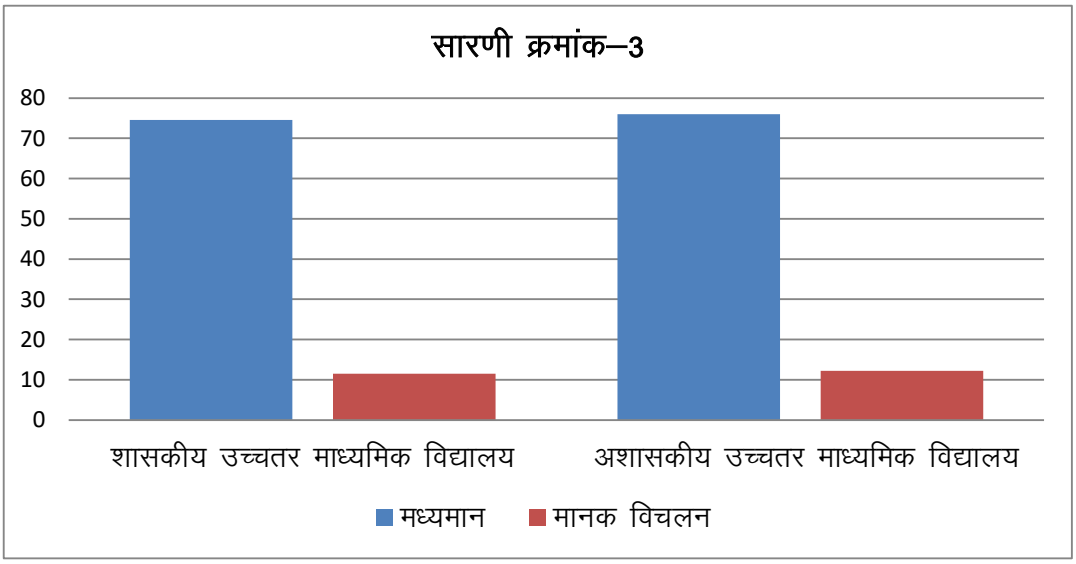

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

व्याख्या एवं विश्लेषण

उपर्युक्त सारणी के अवलोकन से ज्ञात है कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक सहयोग का मध्यमान 74.60 एवं मानक विचलन 11.48 है तथा अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक सहयोग का मध्यमान 76.00 एवं मानक विचलन 12.21 है। मध्यमानों की सार्थकता के लिए t–परीक्षण किया गया। सारणी में 98 स्वातंत्रय (d.f.) पर सार्थकता के लिए 't' का मान 0.05 विश्वास स्तर पर 1.98 एवं 0.01 विश्वास स्तर पर 2.63 है जबकि गणना से प्राप्त 't' का मान 0.59 है जो कि दोनों विश्वास स्तरों पर मानक मानों से कम है। अतः दोनों स्तरों पर मध्यमानों का अन्तर असार्थक है। चूँकि 't' का गणना मान तालिका मान से कम होने पर शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है एवं अधिक होने पर अस्वीकृत होती है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है अर्थात् वित्तीय आधार पर वर्गीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की संगठनात्मक सहयोग में सार्थक अन्तर नहीं है।

निष्कर्ष

प्रदत्तों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का संगठनात्मक वातावरण, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से अच्छा है क्योंकि अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण में स्पष्टता, तत्परता, दायित्व एवं आदान–प्रदान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण की अपेक्षा अधिक अच्छा है।

अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की संगठनात्मक प्रक्रिया भी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की संगठनात्मक प्रक्रिया की अपेक्षा अधिक अच्छी पाई गई क्योंकि अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनों में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनों की अपेक्षा किसी भी समस्या के सम्बंध में निर्णय लेने से पहले योग्यता पर ध्यान दिया जाता है जबकि शासकीय विद्यालयों के संगठनों में इसका अक्सर अभाव पाया जाता है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक सहयोग एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक सहयोग में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, इस क्षेत्र में दोनों प्रकार के संगठनों का स्तर लगभग समान पाया गया।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. आहूजा, राम (2007), सामाजिक अनुसंधान, रावत पब्लिकेशन, दिल्ली।
2. रायजादा, बी.एस. (1997), शिक्षा में अनुसंधान के आवष्यक तत्त्व, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
3. सुखिया, एस.पी. (1998), शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्त्व, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
4. गुप्ता, एस.पी. (2005), भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्या, शारदा बुक भवन, इलाहाबाद।
5. खान, प्रो. एस.एच. एवं श्रीमती शुक्ला भट्टाचार्य (1987), अध्यापकीय दर्शिका : परिवेशीय अध्ययन, राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली।
6. स्मिथ, एल.डी. (2000), विद्यालय वातावरण और शिक्षक प्रतिबद्धता, मथुरा प्रकाशन, मथुरा।
7. सुखिया, एस.पी. (2017), शैक्षिक प्रशासन पर्यावरण शिक्षा एवं स्वच्छता, अग्रवाल पब्लिकेशन आगरा।

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

8. शर्मा, आर.एस. (2002), विद्यालय संगठन तथा शिक्षा प्रशासन संगठनात्मक विकास, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ।
9. सक्सेना, ओबेराय (2010), शिक्षा तकनीकी के तत्त्व एवं प्रबंधन, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ।
10. भटनागर, आरती एवं अग्रवाल विद्या (2009), शैक्षिक प्रशासन संगठनात्मक विकास, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ।